

आयोजनागत
संख्या-1917/III (2)/04-29 (बजट)/2004

प्रेषक,

टी0के0पन्त,
संयुक्त राज्यवं,
उत्तराखण्ड शासन ।

रोवा में,

प्रभारी मुख्य अधिकारी रत्न-1
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-2

विषय:- वर्ष 2004-2005 में निर्माणाधीन पूल्ड आवासों के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1529/11(बजट)/भवन)आयोजनागत)/04दिनांक 18.8.2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लोक निर्माण विभाग के संलग्न सूची में उल्लिखित निर्माणाधीन पूल्ड आवासों के निर्माण हेतु वर्ष 2004-05के आय-व्ययक में प्राविधिक अवशेष धनराशि ~~की~~ रु0 144.34 लाख(रु0 एक करोड़ छोटालीस लाख चौंतीस हजार मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय राष्ट्रीय रवीकृति प्रदान करते हैं ।

2- उक्त रवीकृत धनराशि का साथ रीमा के आधार पर बोषागर से आहरण किया जायेगा, यह

सुनिश्चित कर लिया जाय कि रवीकृत धनराशि का व्यय चालू/निर्माणाधीन योजनाओं पर ही किया जायेगा तथा शारान की पूर्वानुमति के बिना नई योजनाओं पर व्यय कदापि नहीं किया जायेगा । कार्यतार आवंटित धनराशि

की सूचना शारान को एक साप्ताह के अन्दर उपलब्ध कराई जायेगी ।

3- यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि व्यय चालू कार्यों पर ही कार्य की रवीकृत लागत की रीमा तक ही किया जाय ।

4- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हरतपूरितिका के नियमों तथा अन्य रक्ताधीन आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य संघम प्राधिकारी की रवीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य संघम प्राधिकारी की रवीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी रवीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय । निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के पूर्व ऐसी रवीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय । निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के पूर्व ऐसी रवीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय ।

5- उक्त रवीकृत धनराशि का कार्यवार आवंटन कर वित्तीय /मौतिक लक्ष्यों का विवरण प्रारंभिकता

6- आधार पर शारान को रवीकृति के एक माह के अन्दर उपलब्ध कराया जायेगा ।

7- आवास के कार्य रामयवद्व रूप से पूर्ण करके संबंधित को हरतगत कर दिये जायेंगे ।

यदि पुनः रवीकृति के उपरान्त पुनः रवीकृति की जा रही धनराशि का रामयवद्व रूप से उपयोग नहीं

किया जाता है, तो इसका समर्त वापिस रावधित अधिकारी अधिकारी अधिकारी अधिकारी अधिकारी का शी गानते हुए उसके विरुद्ध रामयवद्व

कार्यवाही की जायेगी ।

8— स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31-3-2005 तक पूरी उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को संपत्ति करा दिया जायेगा ।

9— इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय व्यय के अनुदान संख्या-22 लेखाशीर्षक 5054-लोक निर्माण कार्य (कमशः)-80-रामान्य आयोजनागत-800-अन्य भवन(कमशः)-12 पूल्ड आवास योजना(चालू कार्य) आयोजनागत-00-24-वृहत्ता निर्माण कार्य के सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा ।

10— यह आदेश वित्त विभाग के अंश संख्या- 1033/वित्त अनुभाग-3/04 दिनांक, 31 अगस्त, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

महानीय,
(रामकौण्ठ)
संयुक्त समिति

संख्या-1017(1)/ग (2)/04 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1— महालेखाकार (लेखा प्रथम) उत्तरांचल, देहरादून ।
2— आयुक्त गढवाल, कुमायू मण्डल पौड़ी / नैनीताल ।
3— श्री एल०एम०पन्त, अपर राधिव वित्त बजट अनुभाग ।
4— निजी सचिव, मुख्य मंत्री जी को माठ मुख्य मंत्री जी के अपलोकनार्थ ।
5— समस्त जिलाधिकारी / कोषाधिकारी उत्तरांचल ।
6— मुख्य अधिकारी गढवाल / कुमाऊ क्षेत्र लो.गि.पि. / पौड़ी / अल्मोड़ा ।
7— वित्त अनुभाग-3 / वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन ।
8— निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तरांचल, देहरादून ।
9— लोक निर्माण अनुभाग-1 / गार्ड बुक ।

आज्ञा रो
(रामकौण्ठ)
संयुक्त समिति ।

20 (पंचाम) / 2004, दिनांक 10 सितम्बर 2004 का संलग्नक

(इनराशि लाख रु० में)

1. ३० एक कुड़िउ दीवालीस लाख चौंतीस हजार मात्र ।

१०८

卷之三